न्यूज़ टुडे

OPCW द हेग पुरस्कार 2024, भारतीय रासायनिक परिषद को प्रदान किया गया

रासायनिक हथियार निषेध संगठन (OPCW) का प्रतिष्ठित **द हेग पुरस्कार** भारतीय रासायनिक परिषद को **केमिकल सेफ्टी को बढ़ावा देने** और **रासायनिक हथियार कन्वेंशन** (CWC) **के सख्त पालन के लिए** प्रदान किया गया है।

- यह **पहली बार** है कि **रासायनिक उद्योग से संबंधित किसी संस्था** को उसके द्वारा किए जाने वाले प्रयासों के लिए यह पुरस्कार दिया गया है।
- 2014 में **रासायनिक हथियार निषेध संगठन** द्वारा CWC के लक्ष्यों को प्राप्त करने में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए द हेग पुरस्कार की स्थापना की गई थी।

भारतीय रासायनिक परिषद (ICC)

- **ICC के बारे में:** यह कार्बनिक/ अकार्बनिक रसायन, प्लास्टिक और पेट्रोकेमिकल्स सहित भारत के रसायन उद्योग की सभी शाखाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला शीर्ष राष्ट्रीय निकाय है।
- **उत्पत्ति:** इसे भारत के रासायनिक उद्योग के विकास को समर्थन और बढ़ावा देने के लिए 1938 में स्थापित किया गया था।
- **उद्योग क्षेत्रक में भागीदारी:** यह भारत के **220 बिलियन डॉलर के रासायनिक उद्योग के 80% से अधिक का प्रतिनिधित्व** करती है।

रासायनिक हथियार कन्वेंशन (CWC) के बारे में

- **उत्पत्ति:** यह कन्वेंशन 1997 में लागू हुआ था और वर्तमान में **193 देश** इसके पक्षकार हैं।
  - भारत इस कन्वेंशन का **मूल हस्ताक्षरकर्ता** देश है।
- **उद्देश्य: सदस्य देशों द्वारा रासायनिक हथियारों के विकास, उत्पादन, उन्हें प्राप्त करने, भण्डारण, हस्तांतरण या उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर** सामूहिक विनाश के हथियारों की एक पूरी श्रेणी को समाप्त करना।
- **कार्यान्वयन: OPCW** इसका कार्यान्वयन निकाय है, जिसका मिशन **विश्व को रासायनिक हथियारों से मुक्त** बनाना है।
  - OPCW को 2013 **में शांति के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित** किया गया था।
  - **रासायनिक हथियार** विषाक्त रसायन होते हैं, जिनका उपयोग किसी को मारने या उसे नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाता है।
    - रासायनिक हथियारों की परिभाषा के अंतर्गत ऐसे गोला-बारूद, उपकरण और अन्य सामग्रियां भी आती हैं, जो विशेष रूप से विषैले रसायनों को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए बनाई गई हों।
- **भारत में कार्यान्वयन: नेशनल अथॉरिटी केमिकल वेपन्स कन्वेंशन** (NACWC) भारत में CWC के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय प्राधिकरण है।
  - NACWC की स्थापना **रासायनिक हथियार कन्वेंशन अधिनियम, 2000** के तहत की गई थी।

केंद्र ने 'टोमैटो ग्रैंड चैलेंज (TGC)' के विजेताओं के लिए "वित्त-पोषण और मेंटरशिप" की घोषणा की

टोमैटो ग्रैंड चैलेंज का उद्देश्य **टमाटर की आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता के लिए नवीन व सार्थक समाधान सुनिश्चित** करना है।

- इसे **शिक्षा मंत्रालय (नवाचार प्रकोष्ठ)** के सहयोग से **उपभोक्ता कार्य विभाग ने 2023** में आरंभ किया था।
- ज्ञातव्य है कि **टमाटर** के साथ-साथ **प्याज** और **आलू** को सामूहिक रूप से **TOPs** कहा जाता है। कृषि आधारित सभी उपजों में से **TOPs की कीमतों में सबसे अधिक उतार-चढ़ाव होता है।**

TOPs के बारे में

- भारत में TOPs की **खेती, उत्पादन और उपभोग सबसे अधिक मात्रा में होता है।**
- **उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) की सब्जियों वाली श्रेणी में TOPs** का हिस्सा एक-तिहाई से अधिक है।

TOPs की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव से जुड़े मुद्दे

- **मौसमी उत्पादन:** फसल के कम उत्पादन वाले मौसम में आपूर्ति की कमी के कारण कीमतें बढ़ जाती हैं, जबकि अत्यधिक पैदावार होने पर कीमतें गिर जाती हैं।
- **प्राकृतिक कारक:** मौसम की अनियमितता और कीटों के हमले मूल्य संबंधी अस्थिरता को बढ़ाते हैं।
- **भंडारण की कमी:** CII की एक रिपोर्ट के अनुसार, भंडारण सुविधाओं का अधिकांश हिस्सा **निजी क्षेत्रक** के पास है और ये मुख्य रूप से कुछ राज्यों, जैसे कि **उत्तर प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल और गुजरात** में केंद्रित हैं। इसके अलावा, इन सुविधाओं की संख्या भी अपर्याप्त है।
- **असंगठित बाजार:** TOPs के लिए दुग्ध सहकारी समितियों जैसे मजबूत नेटवर्क की कमी है, जो उत्पादकों को उपभोक्ताओं से सीधे जोड़ सकें।
- **ऑपरेशन ग्रीन्स के कार्यान्वयन में समस्याएं:** TOPs की विविध किस्मों और उनके उगने की अलग-अलग स्थितियों के कारण प्रभावी मार्केटिंग रणनीतियां बनाना मुश्किल हो जाता है।

TOPs के मूल्यों में स्थिरता के लिए शुरू की गई पहलें

- **ऑपरेशन ग्रीन्स:** इसे **ऑपरेशन फ्लड** की तर्ज पर शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य TOPs की कीमतों में **उतार-चढ़ाव को नियंत्रित** करना है। इसके तहत अन्य फलों और सब्जियों (TOTAL) को भी शामिल (TOP से TOTAL) किया गया है।
- **ग्रामीण कृषि बाजार (GRAMs):** किसानों को सीधे अपने उत्पाद बेचने के लिए **ग्रामीण हाट (गांव के बाजारों) को ग्रामीण कृषि बाजारों (GRAMs) के रूप में विकसित** किया जा रहा है।
- **एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH):** इसका उद्देश्य बागवानी का समग्र विकास करना है। इसमें कम लागत वाली प्याज भंडारण संरचना के लिए सहायता भी प्रदान की जाती है।
- **अन्य पहलें:** इसमें ग्रामीण गोदामों के लिए कृषि विपणन अवसंरचना (AMI), किसान रेल सेवा, मूल्य स्थिरीकरण कोष (PSF), आदि शामिल हैं।

एक अध्ययन के अनुसार, भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण पृथ्वी की धुरी (एक्सिस) 31.5 इंच तक झुक गई है

जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में इस बात का खुलासा किया गया है कि **भूजल के अत्यधिक दोहन** के कारण **पृथ्वी के घूर्णन ध्रुव (Rotational pole) में महत्वपूर्ण बदलाव** आया है। इस प्रकार इस नवीन अध्ययन में **पृथ्वी पर मानव गतिविधियों के चलते उत्पन्न प्रभाव** को स्पष्ट किया गया है।

अध्ययन में सामने आए मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- 1993 से 2010 के बीच, भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण **पृथ्वी का घूर्णन ध्रुव 80 से.मी. पूर्व की ओर खिसक** गया है। इसके कारण **पृथ्वी का 'मास डिस्ट्रीब्यूशन'** काफी बदल गया है, जिसके चलते **समुद्र के जलस्तर में 0.24 इंच की वृद्धि** दर्ज की गई है।
- इस रिसर्च के मुताबिक, जमीन से बहुत अधिक पानी निकाले जाने और व्यापक पैमाने पर महासागरों में भूजल के पहुँचने से **पृथ्वी के घूर्णन अक्ष में यह बदलाव आया है।**
  - यह बदलाव 4.36 से.मी. प्रति वर्ष की दर से हुआ है। इस अध्ययन ने पहले के **जलवायु मॉडल्स** को चुनौती दी है, जिनमें मुख्य रूप से **ध्रुवीय हिम चादर के पिघलने** पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- अध्ययन के मुताबिक, जहां एक तरफ विश्व के अधिकांश महासागरों के समुद्री जलस्तर में लगभग 10 मि.मी. की वृद्धि हुई है। वहीं, उत्तर-पश्चिमी भारत और पश्चिमी उत्तरी अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण **हिंद महासागर** और **प्रशांत महासागर** के कुछ हिस्सों में समुद्र का जलस्तर कम हुआ है।

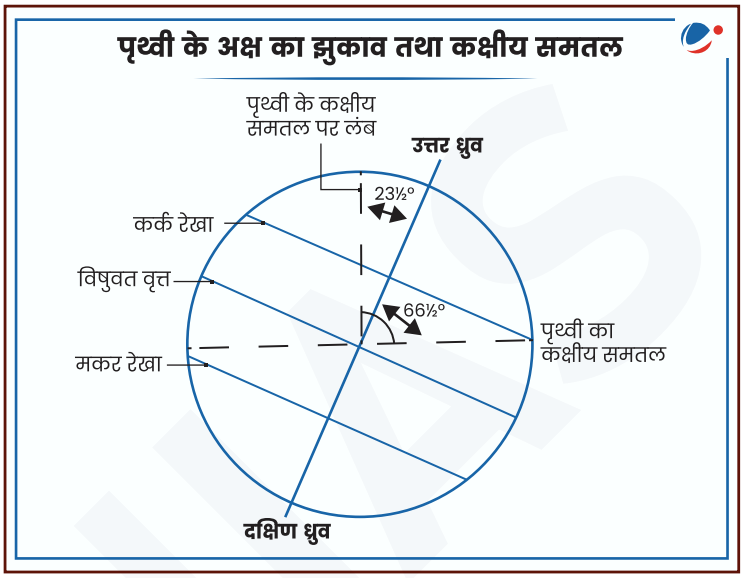

पृथ्वी की गति के बारे में

- पृथ्वी की गति दो प्रकार की है- **घूर्णन** और **परिक्रमण।**
- पृथ्वी का अपने **अक्ष** पर घूमना **घूर्णन** कहलाता है, जबकि **सूर्य के चारों** ओर एक स्थिर कक्षा में पृथ्वी की गति को **परिक्रमण** कहा जाता है।
- पृथ्वी का अक्ष एक **काल्पनिक रेखा** है, जो इसकी **कक्षीय सतह से 66½° का कोण** बनाती है।
  - **पृथ्वी के अक्ष के झुकाव का प्रभाव:**
    - पृथ्वी के घूर्णन के कारण **दिन और रात** होते हैं, जबकि इसके परिक्रमण के कारण **ऋतुएं बदलती** हैं।
    - पृथ्वी के अक्ष का झुकाव **ऊष्मा वितरण** में भिन्नता, मौसम और जलवायु क्षेत्रों आदि के निर्माण के लिए भी जिम्मेदार है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने "बाल विवाह मुक्त भारत" अभियान शुरू किया

बाल विवाह की समाप्ति पर केंद्रित **"बाल विवाह मुक्त भारत" अभियान** महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा अन्य कई मंत्रालयों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। इस अभियान में **सभी नागरिकों से सक्रिय रूप से आगे बढ़कर बाल विवाह का विरोध** करने का आह्वान किया गया है।

"बाल विवाह मुक्त भारत" अभियान के बारे में

- **फोकस के क्षेत्र:** इस अभियान के तहत **सर्वाधिक बाल विवाह वाले सात राज्यों और लगभग 300 जिलों पर अधिक ध्यान दिया** जाएगा।
- **सहयोगात्मक दृष्टिकोण:** प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से **2029 तक बाल विवाह की दर को 5% से कम करने के उद्देश्य से एक एक्शन प्लान** तैयार करने का आह्वान किया गया है।
- **बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल:** यह एक इनोवेटिव ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म है, जिसकी मदद से नागरिक बाल विवाह की घटनाओं की रिपोर्ट और शिकायत दर्ज करा सकते हैं। साथ ही, इस ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म की मदद से आम नागरिक **देश भर में बाल विवाह रोकथाम अधिकारियों (CMPOs) के बारे में जानकारी भी प्राप्त** कर सकते हैं।

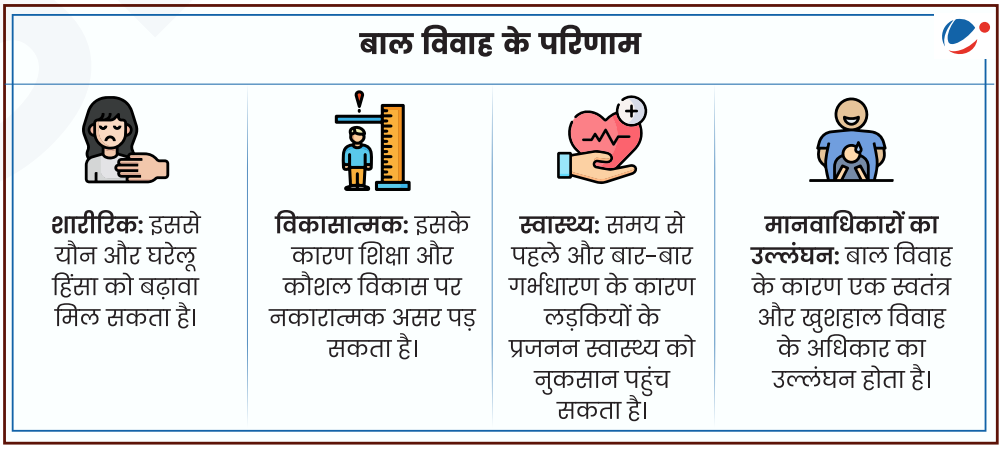

भारत में बाल विवाह की स्थिति

- **बाल विवाह में कमी: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण यानी** NFHS-5 के आंकड़े बताते हैं कि भारत में बाल विवाह में उल्लेखनीय कमी आई है। **2005-06 में 47.4%** लड़कियों का विवाह 18 साल से पहले हो जाता था, जो **2015-16 में घटकर 26.8%** पर आ गया।
- **गरीबी और बाल विवाह:** NFHS-5 के अनुसार, निम्नतम आय वर्ग यानी सबसे गरीब 20% परिवारों में 40% लड़कियों की शादी 18 साल से पहले हो जाती है, जबकि उच्चतम आय वर्ग यानी सबसे अमीर 20% परिवारों में यह आंकड़ा केवल 8% है।
- **सर्वाधिक बाल विवाह वाले राज्य:** पश्चिम बंगाल, बिहार, त्रिपुरा, झारखंड, असम, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना।

बाल विवाह को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम

- **बाल विवाह रोकथाम अधिनियम, 2006 (PCMA):** इस कानून के जरिए बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके तहत महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम आयु **18 वर्ष** और पुरुषों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु **21 वर्ष** निर्धारित की गई है।
- **बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन:** भारत इस कन्वेंशन का एक हस्ताक्षरकर्ता देश है।
- **राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR):** यह अपने मूल कार्यों के साथ-साथ बाल विवाह को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी चलाता है।

केंद्र सरकार ने पी.एम. ई-ड्राइव योजना के दूसरे चरण को अधिसूचित किया

हाल ही में, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय ने **"प्रधान मंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रेवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट"** यानी PM E-DRIVE योजना में आंशिक संशोधनों को अधिसूचित किया है।

- इन संशोधनों के जरिए **L5 श्रेणी के इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर्स** को योजना के तहत सब्सिडी का लाभ दिया गया है।

अधिसूचना के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- **प्रति वाहन प्रोत्साहन:**
  - **1 अप्रैल, 2024 से 7 नवंबर, 2024 तक:** इस अवधि में 5,000 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा (kWh) की सब्सिडी दी गई। इस दौरान प्रति वाहन प्रोत्साहन की अधिकतम राशि **50,000 रुपये** थी।
  - **8 नवंबर, 2024 से 31 मार्च, 2026 तक:** इस अवधि में 2,500 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा की सब्सिडी दी जाएगी। प्रति वाहन प्रोत्साहन की अधिकतम राशि **25,000 रुपये** तय की गई है।
  - **सब्सिडी प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए वाहन की अधिकतम एक्स-फैक्ट्री कीमत:** 5 लाख रुपये
  - **फंड आवंटन:** 715 करोड़ रुपये

पी.एम. ई-ड्राइव योजना के बारे में

- **उद्देश्य:** इस योजना के उद्देश्य इस प्रकार हैं:
  - इलेक्ट्रिक वाहनों की **खरीद के लिए अग्रिम प्रोत्साहन** प्रदान करके ऐसे वाहनों को अपनाने में तेजी लाना।
  - इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आवश्यक **चार्जिंग अवसंरचना की स्थापना को सुविधाजनक** बनाना।
- **क्रियान्वयन अवधि:** 2024-26 तक
- **लक्ष्य:**
  - **इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों** (e-2Ws), **इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों** (e-3Ws) और **इलेक्ट्रिक बसों** के उपयोग को बढ़ावा देना।
  - **इलेक्ट्रिक** चार पहिया वाहनों (e-4Ws), **इलेक्ट्रिक-बसों** और **इलेक्ट्रिक दोपहिया/तिपहिया वाहनों** के लिए फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना करना।
- **नोडल मंत्रालय:** केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय
- **इस योजना के 3 घटक हैं:**
  - **सब्सिडी घटक: इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन, इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन,** इलेक्ट्रिक-एम्बुलेंस, इलेक्ट्रिक-ट्रक और अन्य नई उभरती इलेक्ट्रिक वाहन श्रेणियों के लिए मांग के आधार पर प्रोत्साहन प्रदान करना;
  - **पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान घटक:** इलेक्ट्रिक-बसों, चार्जिंग स्टेशनों के नेटवर्क की स्थापना और भारी उद्योग मंत्रालय की टेस्टिंग एजेंसियों को अपग्रेड करने के लिए अनुदान देना; तथा
  - **योजना का प्रशासन घटक:** इसमें **सूचना, शिक्षा और संचार** (IEC) गतिविधियों का संचालन तथा परियोजना प्रबंधन एजेंसी (PMA) के लिए शुल्क शामिल हैं।

इजरायल और हिज़्बुल्लाह के बीच लेबनान में सीजफायर को लेकर समझौता हुआ

इजरायल और लेबनान के हिज़्बुल्लाह ने **13 महीने से चल रहे सीमा-संघर्ष** को समाप्त करने के लिए **संयुक्त राज्य अमेरिका** की मध्यस्थता से लाए गए **सीजफायर प्रस्ताव** को स्वीकार कर लिया है।

- गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच वर्तमान सीमा-संघर्ष ने **पूर्ण युद्ध का रूप धारण कर लिया** था।

इजरायल-हिज़्बुल्लाह समझौते के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- यह सीजफायर समझौता 2006 में अपनाए गए **"UNSC रेज़ॉल्यूशन 1701"** के प्रावधानों पर आधारित है।
- **इजरायल के लिए प्रावधान:** इस समझौते के तहत इजरायली डिफेंस फोर्स (IDF) **60 दिनों के भीतर** लेबनान के आंतरिक हिस्सों से वापस **ब्लू लाइन** पर आ जाएगी।
  - इजरायल और लेबनान के बीच यह ब्लू लाइन संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष **2000 में निर्धारित** की गई थी। यह **दोनों देशों के बीच एक अनौपचारिक सीमा** के रूप में कार्य करती है।
- **हिज़्बुल्लाह के लिए प्रावधान:** हिज़्बुल्लाह को **लिटानी नदी के दक्षिण** से अपने सभी लड़ाकों को वापस बुलाना होगा और हथियारों को हटाना होगा।
- **लेबनान के लिए प्रावधान:** दक्षिणी लेबनान में **लेबनानी सेना** और **यूनाइटेड नेशंस इंटरिम फोर्स इन लेबनान (UNIFIL)** इजरायली डिफेंस फोर्स और हिज़्बुल्लाह की जगह लेंगे।
  - लेबनानी सरकार की सहमति के बिना लेबनान में **न तो किसी विदेशी सेना की तैनाती होगी और न ही हथियारों की आपूर्ति** की जाएगी।

UNSC रेज़ॉल्यूशन 1701 {संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् (UNSC)-संकल्प 1701} के बारे में

- UNSC रेज़ॉल्यूशन 1701 के कारण ही **2006 का इजरायल-हिज़्बुल्लाह युद्ध समाप्त** हुआ था।
- इस रेज़ॉल्यूशन के अनुसार, लेबनान की लिटानी नदी के दक्षिणी हिस्से में केवल **लेबनानी सेना** और **यू.एन. पीसकीपिंग फोर्स** {यू.एन. इंटरिम फोर्स इन लेबनान (UNIFIL)} के सैनिक ही सशस्त्र बल के रूप में मौजूद रहेंगे।

अन्य सुर्ख़ियां

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सौर परियोजनाएं

भारत के **विदेश मंत्रालय** और **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)** ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सौर परियोजनाओं के लिए **"प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन एग्रीमेंट"** पर हस्ताक्षर किए हैं।

- इन सौर परियोजनाओं को **फिजी, कोमोरोस, मेडागास्कर** और **सेशेल्स** में लागू किया जाएगा। इसके लिए **भारत 2 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता** देगा।
- यह समझौता **क्लाड लीडर्स समिट 2024** में अपनाए गए **विलमिंगटन घोषणा-पत्र** के अनुरूप है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन** को **प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन एजेंसी** बनाया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के बारे में

- यह **भारत और फ्रांस की एक संयुक्त पहल** है।
- इसकी घोषणा **2015 में पेरिस में** आयोजित UNFCCC-COP21 के दौरान की गई थी।
- इसका उद्देश्य **सौर ऊर्जा समाधानों को अपनाकर जलवायु परिवर्तन से निपटना** है।

ओपेक+

ब्रेंट क्रूड और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) क्रूड, दोनों प्रकार के कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रहीं हैं।

- इस बात का अनुमान लगाया जा रहा है कि **ओपेक+** अपनी आगामी बैठक में तेल उत्पादन बढ़ाने की पूर्व-योजना को टाल सकता है। इसलिए तेल की कीमतें बढ़ रही हैं।

ओपेक+ के बारे में

- **उत्पत्ति:** 2016 में, ओपेक (पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन) ने तेल उत्पादक 10 अन्य देशों के साथ मिलकर **ओपेक+** का गठन किया।
  - ओपेक, **तेल निर्यातक 12 विकासशील देशों का एक स्थायी अंतर-सरकारी संगठन** है। इसका गठन **1960 में** इराक, ईरान, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला ने किया था।
    - **इसके अन्य सदस्य हैं:** अल्जीरिया, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, लीबिया, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात।
- **ओपेक+ के सदस्य;** इसमें ओपेक देशों के अलावा रूस, अजरबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कजाकिस्तान, मैक्सिको, मलेशिया, ओमान, दक्षिण सूडान और सूडान शामिल हैं।

सबल 20 लॉजिस्टिक्स ड्रोन

निजी ड्रोन विनिर्माता **एंड्योरएयर सिस्टम्स** ने इंडियन आर्मी को अपना इनोवेटिव **सबल 20 लॉजिस्टिक्स ड्रोन** दिया है।

- इसे देश के पूर्वी क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा।

सबल 20 ड्रोन के बारे में

- यह एडवांस्ड इलेक्ट्रिक **मानव रहित हवाई वाहन (UAV)** है। इसे **वायु मार्ग से लॉजिस्टिक्स की आपूर्ति के लिए डिज़ाइन** किया गया है।
- यह ड्रोन लंबी दूरी तक उड़ान भरते हुए **20 किलोग्राम** तक का भार ले जाने में सक्षम है।
- यह ड्रोन चिनूक हेलीकॉप्टर की तरह **टेंडम रोटर और वेरिएबल पिच तकनीक** से युक्त है। ये विशेषताएं इसे स्थिरता प्राप्त करने में, अधिक ऊंचाई पर संचालन में और न्यूनतम व्यवधान के साथ उड़ान भरने में मदद करती हैं।
  - इस तरह यह **पहाड़ी इलाकों में लॉजिस्टिक्स की आपूर्ति करने के लिए उपयुक्त** है।
- **मुख्य विशेषताएं:**
  - यह वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (VTOL) तकनीक से युक्त है,
  - कम RPM डिजाइन के कारण यह स्टील्थ के रूप में कार्य करने में भी सक्षम है। यह विशेषता इसे गोपनीय सैन्य अभियानों के लिए उपयुक्त बनाती है, आदि।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)

केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने बड़े आतंकी हमलों से निपटने के लिए जम्मू शहर में **राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)** के एक स्थायी केंद्र की स्थापना की है।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) के बारे में

- इसे राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड अधिनियम, 1986 के तहत गठित किया गया था।
- यह एक संघीय बल है जिसे **आपातकालीन स्थितियों में तैनात किया जाता है।** इसकी **जीरो एरर वाली कार्यप्रणाली** इसे दुनिया में सबसे कुशल आतंकवाद-रोधी बलों में से एक बनाती है।
- इसे **विशिष्ट परिस्थितियों से निपटने** के लिए ही प्रशिक्षित किया गया है। इसका उपयोग **केवल असाधारण मामलों में** बड़े **आतंकवादी कृत्यों को रोकने के लिए** किया जाता है।
- इसे **यूनाइटेड किंगडम के SAS** और **जर्मनी के GSG-9** की तर्ज पर गठित किया गया है।
- **NSG का प्रशासनिक और ऑपरेशनल नियंत्रण** केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास है।

नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स (NRI)

नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स (NRI) के 2024 संस्करण का **औपचारिक रूप से विमोचन** कर दिया गया है।

- इस वर्ष की थीम है- **"डिजिटल कल का निर्माण: डिजिटल रेडीनेस के लिए सार्वजनिक-निजी निवेश और वैश्विक सहयोग"।**
- भारत ने **NRI 2024** में 11 रैंक का सुधार करते हुए **49वां स्थान हासिल** किया है।
- यह इंडेक्स चार अलग-अलग पिलर्स, यथा- **प्रौद्योगिकी, लोग, गवर्नेंस** और **प्रभाव** में उनके प्रदर्शन के आधार पर 133 अर्थव्यवस्थाओं के नेटवर्क-आधारित तत्परता परिदृश्य का विवरण प्रस्तुत करता है।
- यह इंडेक्स 133 अर्थव्यवस्थाओं की नेटवर्क-आधारित तैयारियों का मूल्यांकन करता है। यह मूल्यांकन चार प्रमुख स्तंभों- **प्रौद्योगिकी, लोग, गवर्नेंस और इम्पैक्ट** पर आधारित है।
- इसे **पोर्टुलन्स इंस्टीट्यूट और सईद बिजनेस स्कूल, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय** द्वारा मिलकर प्रकाशित किया गया है।

नैनोजाइम

CSIR-**सेंट्रल लेदर रिसर्च इंस्टीट्यूट (CLRI)** के शोधकर्ता **नैनोजाइम्स** के होराइजन्स का विस्तार इसलिए कर रहे हैं, ताकि उन्हें **बायोमैटेरियल्स** को बदलने के लिए **उत्प्रेरक** के रूप में उपयोग किया जा सके।

नैनोजाइम्स के बारे में

- ये एंजाइम के समान गुण रखने वाले **नैनोकण** हैं। ये धात्विक, धातु ऑक्साइड-आधारित, कार्बन-आधारित या अन्य प्रकार के हो सकते हैं।
- **पारंपरिक एंजाइमों की तुलना में लाभ:** उच्च स्थिरता, कम लागत, स्थायित्व, बड़े पैमाने पर उत्पादन में आसानी, नियंत्रण और बेहतर पुनर्प्राप्ति दर।
- **इस्तेमाल:**
  - **बायोमेडिकल**- बायोसेंसिंग, दवा वितरण, डायग्नोसिस और थेरेपी, आदि; तथा
  - **पर्यावरण संरक्षण**- जल शुद्धिकरण, वायु शुद्धिकरण, आदि।

UNAIDS की विश्व एड्स दिवस रिपोर्ट 2024

हाल ही में, UNAIDS की विश्व एड्स दिवस रिपोर्ट 2024 **"एड्स को समाप्त करने के लिए सही मार्ग अपनाएं (Take the right path to end AIDS)"** शीर्षक से जारी की गई।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- HIV से संक्रमित 39.9 मिलियन लोगों में से **9.3 मिलियन लोगों को अभी भी जीवन रक्षक उपचार प्राप्त** नहीं हो रहा है।
- पिछले साल, **एड्स से जुड़ी बीमारियों से 6,30,000 लोगों की मौत** हो गई।
- दुनिया भर में **HIV संक्रमण के 1.3 मिलियन नए मामले** सामने आए हैं।

UNAIDS के बारे में

- UNAIDS वैश्विक स्तर पर HIV/ एड्स से निपटने वाला **संयुक्त राष्ट्र का एक कार्यक्रम** है। यह संयुक्त संयुक्त के 11 संगठनों के संयुक्त प्रयासों से संचालित होता है।
  - **ये संगठन हैं**- UNHCR, UNICEF, WFP, UNDP, UNFPA, UNODC, यू.एन. वीमेन, ILO, UNESCO, WHO और विश्व बैंक।
- **विजन:**
  - HIV के **नए संक्रमण को शून्य** तक लाना,
  - **HIV/ एड्स के मरीजों के साथ सभी प्रकार के भेदभाव की समाप्ति,** और
  - एड्स से होने वाली मौत के मामलों को शून्य तक लाना।

ई-दाखिल पोर्टल

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने **ई-दाखिल पोर्टल के राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन की घोषणा की है।**

ई-दाखिल पोर्टल के बारे में

- इसकी शुरुआत पहली बार **2020 में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (NCDRC)** ने की थी।
  - NCDRC **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986** के तहत स्थापित एक **अर्ध-न्यायिक आयोग** है।
- यह एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है जो **उपभोक्ता शिकायत प्रक्रिया को सरल** बनाता है। उपभोक्ता इसकी मदद से भौतिक रूप से उपस्थित हुए बिना भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और मामलों को ट्रैक कर सकते हैं।
- यह पोर्टल **उपभोक्ता अधिकारों को बढ़ावा देने** और **समय पर न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साधन** के रूप में उभरा है।

सुर्ख़ियों में रहे व्यक्तित्व

गुरु तेग बहादुर (1621-1675)

24 नवंबर को **गुरु तेग बहादुर जी का 'शहीदी दिवस'** मनाया गया।

गुरु तेग बहादुर जी के बारे में

- उनका जन्म **अमृतसर (पंजाब)** में हुआ था।
- वे **सिखों के 9वें गुरु** थे। वे एक **महान योद्धा, आध्यात्मिक विभूति और मातृभूमि के प्रेमी** थे।

प्रमुख योगदान

- उन्होंने **सार्वभौमिक भाईचारे और धार्मिक स्वतंत्रता** के संदेश का प्रचार-प्रसार किया।
- उन्होंने **अंधविश्वास, जाति-आधारित भेदभाव और छुआछूत का विरोध** किया।
  - **समानता, न्याय, बंधुत्व और स्वतंत्रता** पर आधारित उनकी शिक्षाएं एक सशक्त और जीवंत भारत के निर्माण के लिए लोगों को प्रेरित करती हैं।
- उन्होंने पंजाब में **चक्क नानकी** नामक एक शहर की स्थापना की, जो बाद में **श्री आनंदपुर साहिब** के रूप में विकसित हुआ।
- गुरु तेग बहादुर जी को **'हिंद दी चादर'** के नाम से भी जाना जाता है।

मूल्य

- वीरता, आध्यात्मिकता, नेतृत्व, दृढ़ संकल्प, आदि।